



NAVNEET DUBEY



NEHA PANDEY

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121740401

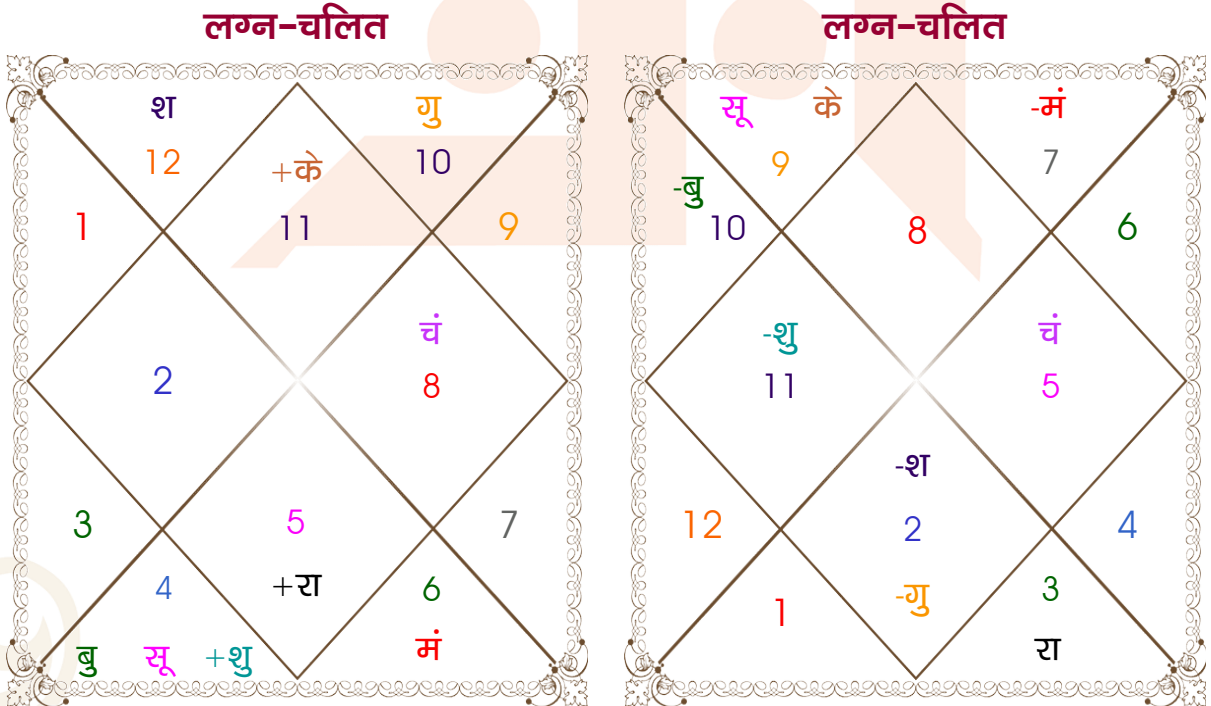
|                  |                       |                  |
|------------------|-----------------------|------------------|
| पुल्लिंग :       | लिंग                  | : स्त्रीलिंग     |
| 17/07/1997 :     | जन्म तिथि             | : 13-14/01/2001  |
| गुरुवार :        | दिन                   | : शनि-रविवार     |
| घंटे 20:55:00 :  | जन्म समय              | : 04:35:00 घंटे  |
| घटी 39:07:16 :   | जन्म समय(घटी)         | : 54:49:55 घटी   |
| India :          | देश                   | : India          |
| Daltonganj :     | स्थान                 | : Tetrain        |
| 24:02:00 उत्तर : | अक्षांश               | : 24:04:13 उत्तर |
| 84:04:00 पूर्व : | रेखांश                | : 84:24:57 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व : | मध्य रेखांश           | : 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:06:16 :  | स्थानिक संस्कार       | : 00:07:40 घंटे  |
| घंटे 00:00:00 :  | ग्रीष्म संस्कार       | : 00:00:00 घंटे  |
| 05:16:05 :       | सूर्योदय              | : 06:37:42       |
| 18:43:35 :       | सूर्यास्त             | : 17:24:35       |
| 23:49:20 :       | चित्रपक्षीय अयनांश    | : 23:52:02       |
| कुम्भ :          | लग्न                  | : वृश्चिक        |
| शनि :            | लग्न लग्नाधिपति       | : मंगल           |
| वृश्चिक :        | राशि                  | : सिंह           |
| मंगल :           | राशि-स्वामी           | : सूर्य          |
| ज्येष्ठा :       | नक्षत्र               | : उ०फाल्गुनी     |
| बुध :            | नक्षत्र स्वामी        | : सूर्य          |
| 4 :              | चरण                   | : 1              |
| ब्रह्म :         | योग                   | : शोभन           |
| कौलव :           | करण                   | : तैतिल          |
| यू-युवराज :      | जन्म नामाक्षर         | : टे-टेस्टी      |
| कर्क :           | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | : मकर            |
| विप्र :          | वर्ण                  | : क्षत्रिय       |
| कीटक :           | वश्य                  | : वनचर           |
| मृग :            | योनि                  | : गौ             |
| राक्षस :         | गण                    | : मनुष्य         |
| आद्य :           | नाड़ी                 | : आद्य           |
| मृग :            | वर्ग                  | : श्वान          |

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी         | अंश      | राशि     | ग्रह   | राशि   | अंश      | विंशोत्तरी           |
|--------------------|----------|----------|--------|--------|----------|----------------------|
| बुध 2वर्ष 9मा 15दि | 10:40:23 | कुंभ     | लग्न   | वृश्चि | 29:46:06 | सूर्य 5वर्ष 8मा 25दि |
| शुक्र              | 01:15:17 | कर्क     | सूर्य  | धनु    | 29:58:22 | राहु                 |
| 03/05/2007         | 27:48:35 | वृश्चि   | चंद्र  | सिंह   | 27:15:01 | 11/10/2023           |
| 03/05/2027         | 20:06:10 | कन्या    | मंगल   | तुला   | 18:34:27 | 10/10/2041           |
| शुक्र 02/09/2010   | 22:38:58 | कर्क     | बुध    | मक     | 11:47:26 | राहु 23/06/2026      |
| सूर्य 02/09/2011   | 25:58:47 | मक व     | गुरु व | वृष    | 07:32:38 | गुरु 15/11/2028      |
| चन्द्र 03/05/2013  | 29:02:50 | कर्क     | शुक्र  | कुंभ   | 17:01:45 | शनि 22/09/2031       |
| मंगल 03/07/2014    | 26:20:37 | मीन      | शनि व  | वृष    | 00:18:27 | बुध 11/04/2034       |
| राहु 03/07/2017    | 27:32:15 | सिंह व   | राहु व | मिथु   | 21:37:20 | केतु 29/04/2035      |
| गुरु 03/03/2020    | 27:32:15 | कुंभ व   | केतु व | धनु    | 21:37:20 | शुक्र 29/04/2038     |
| शनि 03/05/2023     | 13:21:20 | मक व     | हर्ष   | मक     | 25:26:51 | सूर्य 24/03/2039     |
| बुध 03/03/2026     | 04:50:41 | मक व     | नेप    | मक     | 11:55:53 | चन्द्र 21/09/2040    |
| केतु 03/05/2027    | 09:11:49 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 20:20:14 | मंगल 10/10/2041      |

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

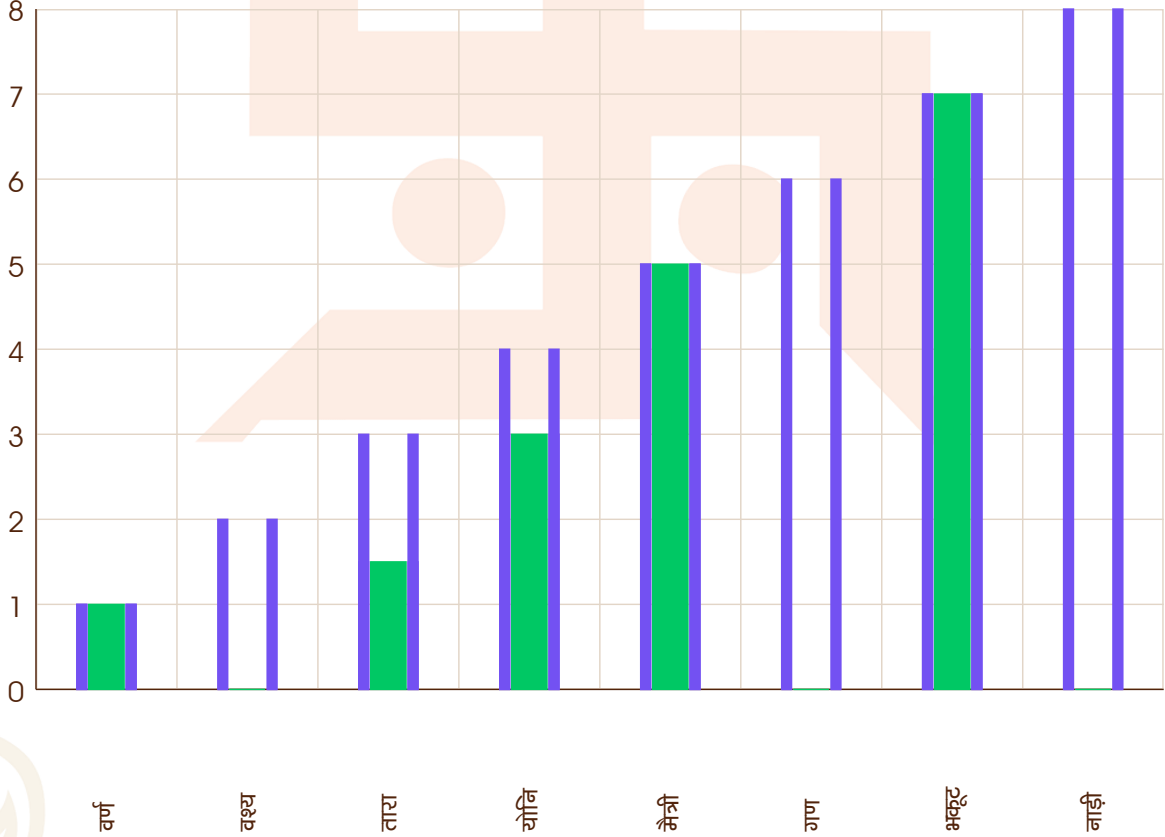
23:49:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:02



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट          | वर      | कन्या    | अंक       | प्राप्त      | दोष | क्षेत्र         |
|--------------|---------|----------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण         | विप्र   | क्षत्रिय | 1         | 1.00         | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य         | कीटक    | वनचर     | 2         | 0.00         | --  | स्वभाव          |
| तारा         | वध      | क्षेम    | 3         | 1.50         | --  | भाग्य           |
| योनि         | मृग     | गौ       | 4         | 3.00         | --  | यौन विचार       |
| मैत्री       | मंगल    | सूर्य    | 5         | 5.00         | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण           | राक्षस  | मनुष्य   | 6         | 0.00         | हाँ | सामाजिकता       |
| भकूट         | वृश्चिक | सिंह     | 7         | 7.00         | --  | जीवन शैली       |
| नाडी         | आद्य    | आद्य     | 8         | 0.00         | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| <b>कुल :</b> |         |          | <b>36</b> | <b>17.50</b> |     |                 |

कुल : 17.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

छाटछम्मज्ज क्कट्टम्ल का वर्ग मृग है तथा NEHA PANDEY का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छाटछम्मज्ज क्कट्टम्ल और NEHA PANDEY का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

छाटछम्मज्ज क्कट्टम्ल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

NEHA PANDEY मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**

**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल NEHA PANDEY कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**

**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु NEHA PANDEY कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छाटछम्मज्ज क्कट्टम्ल तथा NEHA PANDEY में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल का वर्ण ब्राह्मण तथा NEHA PANDEY का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से NEHA PANDEY में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर NEHA PANDEY आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। NEHA PANDEY सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

### वश्य

छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल का वश्य कीट है एवं NEHA PANDEY का वश्य वनचर है। जिसके कारण यह मिलान खराब मिलान है। कीट छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल एवं वनचर NEHA PANDEY के बीच किसी भी प्रकार की अनुकूलता एवं तालमेल नहीं हो सकता है। अतः दोनों के बीच शत्रुता की भावना रह सकती है तथा इनका अधिकांश समय आपस में लड़ने-झगड़ने, शिकावा-शिकायत, आरोप-प्रत्यारोप करने तथा परस्पर वार करने में गुजर जायेगा। इनका जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है तथा परिवार की सुख-शांति नष्ट हो सकती है। इनके बच्चे भी नाकामयाब तथा आक्रामक हो सकते हैं।

### तारा

छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल की तारा वध तथा NEHA PANDEY की तारा क्षेम है। छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु NEHA PANDEY लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

### योनि

छ।टछम्मञ्ज क्ण्टम्ल की योनि मृग है तथा NEHA PANDEY की योनि गौ है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल एवं NEHA PANDEY दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल एवं NEHA PANDEY के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल एवं NEHA PANDEY जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

### गण

छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल का गण राक्षस है तथा NEHA PANDEY का गण मनुष्य है। अर्थात् NEHA PANDEY का गण छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

### भकूट

छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल से NEHA PANDEY की राशि दशम भाव में स्थित है तथा NEHA PANDEY से छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेगी। NEHA PANDEY को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। NEHA PANDEY हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेगी।

### नाड़ी

छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल की नाड़ी आद्य है तथा NEHA PANDEY की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। छ।टछम्मज्ज क्कट्म्ल एवं NEHA PANDEY दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा NEHA PANDEY की अग्नि तत्व युक्त सिंह राशि है। जल एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् और NEHA PANDEY के मध्य स्वभावगत विषमताएं रहेंगी परन्तु परस्पर सामंजस्य स्थापित करके अनुकूल जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे। अतः मिलान सामान्य रहेगा।

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् की राशि का स्वामी मंगल तथा NEHA PANDEY की राशि का स्वामी सूर्य परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् और NEHA PANDEY के मध्य परस्पर प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सच्चे मित्र की भांति परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इसके प्रभाव से दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा तथा संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् और NEHA PANDEY की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से दोनों के अंदर प्रबल सामंजस्य की प्रवृत्ति रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनाए रखने में समर्थ होंगे। वे एक दूसरे के अस्तित्व का पूर्ण सम्मान करेंगे एवं परस्पर कार्य कलापों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे फलतः एक दूसरे के प्रति विश्वास तथा आदर का भाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन की सार्थकता तथा मधुरता बनी रहेगी।

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् का वश्य कीट तथा NEHA PANDEY का वश्य वनचर है। नैसर्गिक रूप से कीट एवं वनचर में विषमता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी विषमताताएं होंगी। तथा एक दूसरे को दाम्पत्य संबंधों में प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् का वर्ण ब्राह्मण तथा NEHA PANDEY का वर्ण क्षत्रिय है। अतः छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा NEHA PANDEY पराकमी तथा साहसिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी फलतः इनकी कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

## धन

छाटछम्मज्ज क्कळ्ळ् और NEHA PANDEY की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन NEHA PANDEY पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए

दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

छाटछम्ञ् क्ठम्ल की प्रवृत्ति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

### स्वास्थ्य

छाटछम्ञ् क्ठम्ल और NEHA PANDEY दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे तथा NEHA PANDEY भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी छाटछम्ञ् क्ठम्ल हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते हैं। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से छाटछम्ञ् क्ठम्ल और NEHA PANDEY का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त छाटछम्ञ् क्ठम्ल और NEHA PANDEY के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में NEHA PANDEY के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन NEHA PANDEY को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में NEHA PANDEY को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से छाटछम्ञ् क्ठम्ल और NEHA PANDEY सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार छाटछम्ञ् क्ठम्ल और NEHA PANDEY का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

NEHA PANDEY के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से NEHA PANDEY को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। NEHA PANDEY भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से NEHA PANDEY को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए NEHA PANDEY उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी NEHA PANDEY के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का NEHA PANDEY के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

## ससुराल-श्री

छ।टछम्मञ्ज क्ठम्ल् के सास से सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरानुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबंध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में छ।टछम्मञ्ज क्ठम्ल् के संबंध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण छ।टछम्मञ्ज क्ठम्ल् के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा छ।टछम्मञ्ज क्ठम्ल् भी मधुर संबंधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।